

दैनिक

RNI N.UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़.....

फल एवं सब्जी परिरक्षण तकनीक पर हुआ प्रशिक्षण

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेन्द्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के द्वारा ग्राम अनूपपुर विकासखंड मैथा में एक दिवसीय सब्जी एवं फल परिरक्षण पर महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में केंद्र की महिला वैज्ञानिक (गृह विज्ञान) डॉ पुष्पा देवी ने ग्रामीण महिलाओं को मिश्रित सब्जियों के अचार को बनाने एवं संरक्षित करने की विधि को करके बताया द्य साथ ही पोषण वाटिका से हुई सब्जियों को परिरक्षित कर पूरे वर्ष भर खाने में उपयोग कर शरीर में पोषक तत्वों की आवश्यकता को पूरा कर सकने में सहायक होने के साथ भोजन में विविधता लाने का कार्य पूरा करते हैं द्य इसके अतिरिक्त महिलाएं अचार बनाकर नजदीक के बाजार में बेचकर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर सकती हैं द्य गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने महिलाओं को अचार बनाने के बाद डिब्बों



की लेबलिंग और पैकेजिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी द्य केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ आई. पी. सिंह ने पोषण वाटिका में सब्जियों के उत्पादन वा प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी द्य विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को

स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु उन्हें गांव-गांव गृह वैज्ञानिकों के द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। प्रशिक्षण में श्रीमती रानी देवी, रंजना देवी, रीता पाल, सुनेना एवं अंकिता देवी सहित लगभग 30 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

महिलाओं को सिखाया मिश्रित सब्जियों का अचार बनाना, रोजगार के लिए दिये टिप्स

कानपुर, 15 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेन्द्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के द्वारा ग्राम अनूपपुर विकासखंड मैथा में एक दिवसीय सब्जी एवं फल परिरक्षण पर महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में केंद्र की महिला वैज्ञानिक (गृह विज्ञान) डॉ पुष्पा देवी ने ग्रामीण महिलाओं को मिश्रित सब्जियों के अचार को बनाने एवं संरक्षित करने की विधि को करके बताया। साथ ही पोषण वाटिका से हुई सब्जियों को परिरक्षित कर पूरे वर्ष भर खाने में उपयोग कर शरीर में पोषक तत्वों की आवश्यकता को पूरा कर सकने में सहायक होने के साथ भोजन में विविधता लाने का कार्य पूरा करते हैं। इसके अतिरिक्त महिलाएं अचार बनाकर नजदीक के बाजार में बेचकर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर सकती हैं। गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने महिलाओं को अचार बनाने के बाद डिब्बों की लेबलिंग और पैकेजिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ आई. पी. सिंह ने पोषण वाटिका में सब्जियों के उत्पादन व प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

46, एटा से प्रकाशित,

गुरुवार, 16 फरवरी, 2023

पृष्ठ: 8

फल एवं सब्जी परिरक्षण तकनीक पर हुआ प्रशिक्षण



(अनवर अशरफ)। कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के द्वारा ग्राम अनूपपुर विकासखंड मैथा में एक दिवसीय सब्जी एवं फल परिरक्षण पर महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में केंद्र की

महिला वैज्ञानिक (गृह विज्ञान) डॉ पुष्पा देवी ने ग्रामीण महिलाओं को मिश्रित सब्जियों के अचार को बनाने एवं संरक्षित करने की विधि को करके बताया स साथ ही पोषण वाटिका से हुई सब्जियों को परिरक्षित कर पूरे वर्ष भर खाने में उपयोग कर शरीर में पोषक तत्वों की आवश्यकता को पूरा कर सकने में सहायक होने के साथ भोजन में विविधता लाने का कार्य पूरा

करते हैं। इसके अतिरिक्त महिलाएं अचार बनाकर नजदीक के बाजार में बेचकर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर सकती हैं। स गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने महिलाओं को अचार बनाने के बाद डिब्बों की लेबलिंग और पैकेजिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। स केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ आई. पी. सिंह ने पोषण वाटिका में सब्जियों के उत्पादन वा प्रबंधन के बारे में

विस्तृत जानकारी दी। स विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु उन्हें गांव-गांव गृह वैज्ञानिकों के द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। प्रशिक्षण में श्रीमती रानी देवी, रंजना देवी, रीता पाल, सुनेना एवं अंकिता देवी सहित लगभग 30 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।



लखनऊ

वर्ष: 14 | अंक: 126

मूल्य: ₹ 3.00/-

पेज : 12

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews

janexpresslive

janexpresslive

www.janexpresslive.com/epaper

गुरुवार | 16 फरवरी, 2023

सब्जियों का अचार बनाने के बारे में दी गई जानकारी

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के द्वारा बीते दिन बुधवार को ग्राम अनूपपुर विकासखंड मैथा में एक दिवसीय सब्जी एवं फल परिरक्षण पर महिलाओं को



प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें केंद्र की महिला वैज्ञानिक डॉ.पुष्पा देवी ने ग्रामीण महिलाओं को मिश्रित सब्जियों के अचार को बनाने एवं संरक्षित करने की विधि बताई। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को बताया कि पोषण वाटिका से हुई सब्जियों को परिरक्षित करना सिखाया। उनको बताया गया कि सब्जियों को परिरक्षित करके उनका साल भर उपयोग किया जा सकता है। इससे लोग आराम से पोषण प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान महिलाओं को सब्जियों का मिक्स अचार बनाने के लिए तरह तरह के तरीके बताए गए। उनको बताया गया कि सब्जियों का प्रयोग कई तरह से किया जा सकता है।

राष्ट्रीय

सहारा



कानपुर • बृहस्पतिवार • 16 फरवरी • 2023

महिलाओं को दिया फल व सब्जी परिरक्षण का प्रशिक्षण

पुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र दलीप नगर में महिलाओं को फल व सब्जी के परिरक्षण का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का मकसद ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

कृषि विज्ञान केन्द्र दलीप नगर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकासखंड मैथा के ग्राम पंचायत की महिलाओं को फल एवं सब्जी परिरक्षण का प्रशिक्षण दिया गया। महिला वैज्ञानिक डॉ.पुष्पा देवी ने महिलाओं को मिश्रित सब्जियों का अचार बनाने की विधि बताने के साथ ही उसे संरक्षित करने का भी बताया। साथ ही पोषण वाटिका से पैदा की गई सब्जियों को परिरक्षित कर पूरे वर्ष भर खाने में आसानी कर शरीर में पोषक तत्वों की आवश्यकता पूरी

करने में सहायक होने के साथ ही भोजन में विविधता भी लाते हैं। इसके साथ ही महिलाएं यह अचार बना कर नजदीक के बाजार में बेच कर अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकती हैं। गृह वैज्ञानिक डॉ.निमिषा अवस्थी ने महिलाओं को अचार बनाने के बाद डिब्बों की लेबलिंग व पैकेजिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। केन्द्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ.आईपी सिंह ने पोषण वाटिका में सब्जियों के उत्पादन व प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सीएसए के मीडिया प्रभारी डॉ.खलील खान ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने के लिये गृह वैज्ञानिकों द्वारा गांवगांव महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में रानी देवी, रंजना देवी, रीता पाल, सुनयना, अंकिता आदि थीं।

दैनिक जागरण कानपुर देहात-16.02.2023

पोषण वाटिका से महिलाएं बढ़ाएं आय

जागरण संगठनदाता कानपुर देहात : मैथा के अनूपपुर में एक दिवसीय सब्जी एवं फल परिरक्षण के प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला विज्ञानी (गृह विज्ञान) डा. पुष्पा देवी ने कहा कि महिलाएं पोषण वाटिका बनाकर स्वास्थ्य सही करने के साथ ही आमदनी कर सकती हैं। उन्होंने महिलाओं को मिश्रित सब्जियों के अचार को बनाने एवं संरक्षित करने की विधि बताई।

उन्होंने कहा कि पोषण वाटिका में उत्पादित सब्जियों को परिरक्षित करके पूरे वर्ष भर खाने में उपयोग किया जा सकता है। इससे शरीर में पोषक तत्वों की आवश्यकता को पूरा करने के साथ भोजन में विविधता लाने का कार्य पूरा होता है। महिलाएं अचार बनकर नजदीक के बाजार में बेचकर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर सकती हैं।

गृह विज्ञानी डा. निमिषा अवस्थी ने महिलाओं को अचार बनाने



महिलाओं को प्रशिक्षित करती महिला विज्ञानी ● सौ. खलील खान के बाद डिब्बों की लेबलिंग और पैकेजिंग के बारे में जानकारी दी। केंद्र के उद्यान विज्ञानी डा. आईपी सिंह ने पोषण वाटिका में सब्जियों के उत्पादन व प्रबंधन के बारे में बताया। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के मोडिया प्रधारी डा. खलील खान ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए गांव-गांव गृह विज्ञानियों द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में रानी देवी, रंजना देवी, रीता पाल, सुनेना एवं अंकिता देवी रहीं।

फल एवं सब्जी परिरक्षण तकनीक पर हुआ प्रशिक्षण



कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के द्वारा ग्राम अनूपपुर विकासखंड मैथा में एक दिवसीय सब्जी एवं फल परिरक्षण पर महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में केंद्र की महिला वैज्ञानिक (गृह विज्ञान) डॉ पुष्पा देवी ने ग्रामीण महिलाओं को मिश्रित सब्जियों के अचार को बनाने एवं संरक्षित करने की विधि को करके बताया। साथ ही पोषण वाटिका से हुई सब्जियों को परिरक्षित कर पूरे वर्ष भर खाने में उपयोग कर शरीर में पोषक तत्वों की आवश्यकता को पूरा कर सकने में सहायक होने के साथ भोजन में विविधता लाने का कार्य पूरा करते हैं इसके अतिरिक्त महिलाएं अचार बनाकर नजदीक के बाजार में बेचकर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर सकती हैं यह गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने महिलाओं को अचार बनाने के बाद डिब्बों की लेबलिंग और पैकेजिंग के बारे में विस्तृत



जानकारी दी यह केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ आई. पी. सिंह ने पोषण वाटिका में सब्जियों के उत्पादन का प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु उन्हें गांव-गांव गृह वैज्ञानिकों के द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। प्रशिक्षण में श्रीमती रानी देवी, रंजना देवी, रीता पाल, सुनेना एवं अंकिता देवी सहित लगभग 30 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।